

आज

बेबाक

मुख्यमंत्री ने इंदौर के सेवाभावियों से फोन पर की बातचीत

कोरोना को हराने में लगे प्रत्येक व्यक्ति के जज्बे को प्रणाम

जॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज इंदौर में आम जनता को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने के लिए दी जारी रही सेवाओं के लिए वहां कार्यरत चिकित्सकों, समाजसेवियों, राजस्व और नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को साधुवाद दिया। उन्होंने इस बड़ी विपदा के समय सेवा कर रहे लोगों की सराहना भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप निरंतर पीड़ित मानवता की सेवा कर रहे हैं। आपके इस जज्बे को मैं प्रणाम करता हूँ। इस महामारी से निपटने में आप जुटे रहे, मैं भी आपके साथ हूँ। आप लोगों से इंदौर आने पर मिल्गूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर कोरोना को पराजित कर देंगे। मानवता के विरुद्ध कोरोना द्वारा छेड़े गए युद्ध में हमारी विजय होगी। चौहान मंत्रालय से इंदौर में



तबलीग जमात में शामिल नागरिकों को क्वारेन्टाइन में रखें

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मंत्रालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में निर्देश दिए हैं कि दिल्ली में तबलीग जमात में हिस्सा लेने वाले प्रदेश के नागरिकों को क्वारेन्टाइन में रखने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व तबलीग जमात का एक बड़ा धार्मिक आयोजन दिल्ली में हुआ था। इसमें पूरे देश के श्रद्धालु भाग लेने गए थे। इस समूह में 200 लोगों को कोविड-19 से संक्रमित होने तथा इनमें से 6 लोगों की तेलंगाना में मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई है। श्री चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश से भी 100 से अधिक व्यक्ति इस धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए, ऐसी जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में पूर्ण सजग रहने की जरूरत है।

लॉकडाउन का पूरी तरह पालन करें इन्दौरवासी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इंदौरवासियों को घराने की नहीं बल्कि सगण रहने की जरूरत है। उन्होंने इंदौर के नागरिकों से अपील की कि टोटल लॉकडाउन का पालन करें, पॉजिटिव लोगों और उनके परिजनों को क्वारेन्टाइन करने में पूरा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि हम सब के इन प्रयासों से कोरोना खरेगा और इंदौर जीतेगा। चौहान ने इन्दौरवासियों से कहा कि आप घरों में रहें और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि संकट बड़ा है, यह सब है लेकिन इंदौर दुनिया का अद्भुत शहर है, जिसने अपनी जागरूकता से स्वच्छता में तीन बार देश में अव्वल स्थान बनाया है। इस महामारी को भी इंदौर हराएगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि आज हमारा प्यारा शहर कोरोना वायरस के संक्रमण से लड़ रहा है।

मुख्यमंत्री चौहान ने दिये आवश्यक निर्देश

मुख्यमंत्री चौहान ने डॉ. विनोद गंडारी को कोरोना के रोगियों को इंदौर में 450 बेड के हॉस्पिटल की सुविधा देने, राधा स्वामी सखेंग इंदौर के जगदीश सिंह को राज्य के बाहर से आए करीब 500 श्रमिकों के रुकने और ठहरने के इंतजाम के लिए, गीता मवन टूर इंदौर के गोपालदास मिश्र को सहायता कोष में 11 लाख रुपये की राशि देने के लिए, कोरोना रोगियों के उपचार का कार्य निरंतर कर रहे डॉ. संजय अवास्था, डॉ. मनीष पुरेशित और डॉ. संजिता पांडे को सम्मति सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने स्टॉफ नर्स श्वेता गुडवीन और आशा कार्यकर्ता श्रीमती फिजा फातिमा को भी कोरोना संक्रमित रोगियों की सेवा के लिए और अपर कलेक्टर इंदौर पवन जैन, उपा संचालक पिछ्वा वर्मा वेंद प्रकाश श्रीमाली, आरआई जयसिंह तोगर, स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम अखिलेश उपाध्याय, वर्कशॉप प्रभारी मनीष पांडे, जौनल ऑफीसर रमेश देवलासे, स्वास्थ्य निरीक्षक एकज धीलापुरे द्वारा विभिन्न सेवा कार्यों में संलग्न रहने के लिए उनका अभार व्यक्त किया।

खास खबर

कोरोना से दुनिया में 37,519 मौतें, 781656 संक्रमित

दिल्ली के कार्यक्रम स्थल से 2 दिन में मिले 1830 लोग

बीजिंग/ जेनेवा/ नयी दिल्ली । विश्व के अधिकांश (अब तक 185) देशों में फैल चुके कोरोना वायरस (कोविड 19) का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और इस खतरनाक वायरस से दुनिया भर में अब तक 37519 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि करीब 781656 लोग इससे संक्रमित हैं। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस ‘कोविड-19’ संक्रमण के 227 नये मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1251 हो गयी है। और तीन मरीजों की मौत हो जाने से इस वायरस की चपेट में आकर मरने वालों का आंकड़ा 32 हो गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि जिन तीन मरीजों की मौत हुई है वे गुजरात, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश के हैं।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 227 नये मामले, तीन मरीजों की मौत

लंदन से आया एक युवक भी कोरोना संक्रमित, शहर में अब तक 4 पॉजिटिव; एक दिन पहले नीमच से रेफर किए गए युवक की मौत, रिपोर्ट निगेटिव

भोपाल में इससे पहले एक पत्रकार, उसकी बेटी और रेलवे के गार्ड की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आई थी

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। शहर में कोरोना का एक और पॉजिटिव केस मिला है। अवधपुरी निवासी 26 साल का ये युवक कुछ दिन पहले लंदन से दिल्ली आया। फिर मुंबई और इंदौर भी गया था। बाइक से वापस भोपाल आया था। यहां तबीयत बिगड़ने पर उसने भोपाल के एक निजी अस्पताल में इलाज कराया। बाद में उसे एम्स में भर्ती कराया गया। भोपाल में कोरोना पॉजिटिव 4 हो गए हैं। वहीं, एक दिन पहले नीमच से इलाज के लिए भोपाल

एमपी में कोरोना का एपिसेंटर बना इंदौर

इंदौर। कोरोनावायरस इंदौर में घातक होता जा रहा है। मंगलवार को भोपाल से आई रिपोर्ट में 17 नए केस सामने आए हैं। एमजीएम मेडिकल कॉलेज की वायरोलॉजी लैब में कोरोना की जांच के लिए बड़ी संख्या में सैपल पहुंचने के बाद जांच के लिए रविवार को 40 सैपल भोपाल एम्स भेजे गए, जबकि यहां भी 70 सैपल की जांच की गई। सीएमएचओ के अनुसार, इंदौर से भेजे गए सैपल में 17 नए केस सामने आए। इनमें इंदौर, उज्जैन समेत मालवा-निगा? के अन्य जिलों के मरीज शामिल हो सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो इंदौर में कोरोना पॉजिटिव का आंकड़ा 49 (+5 उज्जैन) पहुंच जाएगा। वहीं, प्रदेश में संक्रमितों की संख्या 64 हो गई है। वहीं, सोमवार देर रात 49 साल की एक महिला की मौत के साथ ही प्रदेश में कोरोना से मौत का आंकड़ा 5 हो गया। सोमवार को इस संक्रमण ने दो लोगों की जान ले ली। पटन नगर निवासी 49 वर्षीय महिला ने देर रात दम तोड़ दिया। इससे पहले दिन में एमआर-9 की राजकुमार कॉलोनी के 41 साल के

नई दिल्ली ए.। दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित धार्मिक स्थल पर मार्च में हुए एक कार्यक्रम में हजारों लोगों के जमा होने से कोरोना संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। मध्य मार्च में हुए कार्यक्रम के अलावा 26 मार्च को भी हुए जलसे में करीब 2 हजार लोगों ने हिस्सा लिया, वह भी तब जब पूरे देश में लॉकडाउन लागू था। अधिकारियों ने बताया कि पिछले दो दिनों में दिल्ली पुलिस को निजामुद्दीन के स्थल से 1830 लोग मिले हैं, जिनमें से 281 विदेशी हैं। स्थल से मिले लोगों के सैपल टेस्ट कराने पर 24 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों को अलग-अलग क्वारंटाइन सेंटरों और अस्पतालों के आइसोलेशन वार्डों में भेज दिया गया है। इनमें से कम से कम 200 लोगों में कोरोना जैसे लक्षण मिले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, 24 मार्च को देशव्यापी लॉकडाउन के ऐलान के बाद भी 16 देशों के 281 नागरिक कार्यक्रम में रुके हुए थे। पिछले 1 महीने में विदेशियों समेत कम से कम 8



अलग-अलग राज्यों से 1,549 तमिलनाडु से सबसे ज्यादा 501

बाकी बचे 1,549 लोग भारतीय नागरिक हैं। इनमें से तमिलनाडु के 501, असम के 216, यूपी के 156, महाराष्ट्र के 109, मध्य प्रदेश के 107, बिहार के 86, पश्चिम बंगाल के 73, तेलंगाना के 55, झारखंड के 46, कर्नाटक के 45, उत्तराखंड के 34, हरियाणा के 22, अंडमान निकोबार के 21, राजस्थान के 19, हिमाचल प्रदेश, केरल और ओडिशा के 15-15, पंजाब के 9 और मेघालय के 5 लोग हैं।

किस देश से कितने विदेशी

281 विदेशियों में से इंडोनेशिया के 72, श्रीलंका के 34, म्यांमार के 33, किर्गिस्तान के 28, मलेशिया के 20, नेपाल और बांग्लादेश के 9-9, थाईलैंड के 7, फिजी के 4, इंग्लैंड के 3 और अफगानिस्तान, अल्बानिया, जिबूती, सिंगापुर, फ्रांस कुवैत के 1-1 नागरिक शामिल हैं।

हजार लोगों ने निजामुद्दीन का दौरा किया। शेष पृष्ठ 5 पर

महाराष्ट्र सरकार देगी दो किश्तों में वेतन

20 हजार रेल डिब्बे बनंगे

‘यह गलती ढूंढने का समय नहीं’

CM से C ग्रेड कर्मियों का कटेगा वेतन

मुंबई ए.। केंद्र सरकार ने भले ही प्राइवेट सेक्टर से अपील की है कि कोरोना की वजह से कर्मचारियों के वेतन में कटौती ना की जाए, पहले राज्य सरकारों ने अपने कर्मचारियों के वेतन पर कैंची चलानी शुरू कर दी उसके बाद इस फैसले दो हिस्से में बंटने का निर्णय लिया है। तेलंगाना के बाद महाराष्ट्र सरकार ने भी कोरोना संकट की वजह से मुख्यमंत्री से लेकर सी ग्रेड के कर्मचारियों तक के

मार्च के वेतन में कटौती का आदेश जारी कर दिया है। वेतन में कटौती 25 से 60 % तक होगी। डी ग्रेड के कर्मचारियों को वेतन कटौती से राहत दी गई है।

उपमुख्यमंत्री ने की घोषणा

शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी गठबंधन सरकार में राज्य के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री का पद संभालने वाले अजीत पवार ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों के वेतन में कटौती का

आदेश जारी किया गया है। सीएम से लेकर सभी विधायकों और एमएलसी की सैलरी में मार्च महीने में 60 पर्सेंट की कटौती की जाएगी।

ग्रेड-सी के कर्मियों को 25 पर्सेंट मिलेगा वेतन

ग्रेड-ए और ग्रेड-बी स्तर के कर्मचारियों की सैलरी आधी यानी 50 पर्सेंट काटी जाएगी। ग्रेड-सी के कर्मचारियों को 25 पर्सेंट कम वेतन मिलेगा। डी ग्रेड कर्मचारियों को कटौती से बाहर रखा गया है।

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने कोरोना वायरस ‘कोविड-19’ महामारी से निपटने की तैयारियों के तहत ट्रेनों के 20 हजार से अधिक कोचों को क्वारंटीन एवं आइसोलेशन वार्डों में बदलने का फैसला किया है जिससे लगभग सवा तीन लाख बिस्तर की क्षमता सृजित होगी। रेलवे बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार पहले चरण में पांच हजार कोचों में बदलाव का काम शुरू भी हो गया है। इनमें 80 हजार बिस्तर उपलब्ध होंगे। रेलवे के पांच ज़ोन पहले ही क्वारंटीन / आइसोलेशन कोचों के लिए प्रोटोटाइप्स तैयार कर चुके हैं। एक कोच में आइसोलेशन के लिए 16 बिस्तर लगाए जाने की संभावना है।

निजामुद्दीन में जमात की लापरवाही पर बोला स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली ए.। तबलीगी जमात का दिल्ली स्थित निजामुद्दीन मक़ज्ज देश में कोरोना वायरस के नए हॉटस्पॉट के तौर पर उभरा है। यहां जमात में हिस्सा लेने आए लोगों के जरिए देश के तमाम हिस्सों में कोरोना संक्रमण के केस सामने आ रहे हैं। हालांकि, जब स्वास्थ्य मंत्रालय से इस बारे में सवाल हुआ तो अधिकारी ने दो टूक कहा कि यह वक्त कमियां ढूंढने का नहीं, बल्कि हालात को नियंत्रित

गारमा-गारम

..वक्त-वक्त की बात है पहले देशसेवा के लिए घर छोड़ना पड़ता था आजकल रहना...



जवाब/तलब

दिल्ली से मजदूरों के पलायन को लेकर दाखिल याचिका पर केंद्र का सुप्रीम कोर्ट में जवाब

सुबह 11 बजे तक सड़कों पर कोई भी मजूदर नहीं

24 घंटे में पोर्टल स्थापित करने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने कोराना की जानकारी के लिए केंद्र सरकार को 24 घंटे में पोर्टल स्थापित करने का आदेश भी दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सरकार यह भी सुनिश्चित करे कि जिन लोगों का प्रवास आपने बंद किया है उन सभी को भोजन, आश्रय, पोषण और चिकित्सा सहायता के मामले में ध्यान रखा जाए। केंद्र ने कहा अपनी पलायन रुक गया है। लेकिन जो गए हैं उनमें 10 में 3 सदियव हो सकते हैं।



17 जनवरी से ही शुरु कर दी थी तैयारी : केंद्र

दिल्ली से अपने घरों के लिए दूसरे राज्यों को पलायन कर रहे मजदूरों को भोजन, परिवहन, मेडिकल सहित अन्य पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग वाली याचिका पर केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 5 जनवरी को भारत में कोरोना वायरस के पहले मामले की पहचान हुई थी और सरकार ने 17 जनवरी से इसके खिलाफ तैयारियां शुरू कर दी थी।

बोबड़े ने कहा कि शेल्टर होम आदि के शेष पृष्ठ 5 पर

निजामुद्दीन की मरकज में मध्य प्रदेश के 107 लोग शामिल हुए थे

भोपाल। दिल्ली में निजामुद्दीन की मरकज में कोरोनावायरस फैलने की बात सामने आ रही है। इसमें मध्य प्रदेश से भी 107 लोग शामिल हुए थे। बताया गया कि इसमें शामिल होकर लौटी 50 जमातें भोपाल में रुकी थीं। दिल्ली से लौटे मध्य प्रदेश के 107 लोगों में से 36 लोग भोपाल के पुराने शहर के रहने वाले हैं। प्रशासन उन लोगों की तलाश कर रहा है जो मरकज में शामिल हुए थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम जिला प्रशासन और पुलिस की मदद से ऐसे लोगों की तलाश कर उनके सैपल ले रही है। करीब 11 लोगों की पहचान कर सैपल लिए गए। इन लोगों को घर पर ही क्वारंटाइन किया गया। इस मामले की पुष्टि एसडीएम सिटी जमील खान ने की।

लॉकडाउन के बीच पीएम मोदी की अपील- ‘करें योग निद्रा का अभ्यास’

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग निद्रा का वीडियो ट्वीट किया है

उन्होंने उम्मीद जताई है कि देशवासी इसका अभ्यास करेंगे

लॉकडाउन के दौरान घरों में समय बिताने के टिप्स दे रहे हैं पीएम

मोदी ने सोमवार को योगासनों के वीडियोज ट्वीट किए थे

दूरदर्शन ने रामायण और महाभारत का प्रसारण शुरू कर दिया है

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 दिनों के देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान घरों में बंद रहने की चुनौती से अच्छी तरह वाकिफ हैं, इसलिए वो बार-बार कुछ टिप्स शेयर कर रहे हैं जिनसे लोग खुद को मानसिक तौर पर दृढ़ बना सकें। इन 21 दिनों का सदुपयोग कैसे हो, इसके लिए पीएम ने फिर से एक वीडियो जारी किया है। उन्होंने कहा कि वो मौका मिलने पर योग निद्रा का अभ्यास करते हैं जो शरीर को स्वस्थ और दिमाग को खुशहाल रखता है।

हिंदी-अंग्रेजी भाषाओं में ट्वीट किए वीडियो



प्रधानमंत्री ने हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में योग निद्रा के वीडियोज ट्विटर पर शेयर किए। इस वीडियो में बिहार के मुंगेर स्थित योग विश्वविद्यालय के परमाचार्य और पद्मभूषण से सम्मानित परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती द्वारा योग निद्रा की विधि बताई गई है।

क्या है योग निद्रा?

योग निद्रा की साधना के लिए जमीन पर आराम से लेटकर सांसों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। शांत चित्त से मन के अंदर झांकने रहने से शांति और शीतला महसूस होती है। इसी अवस्था को योग निद्रा कहा जाता है। योग निद्रा से आपका मन-मस्तिष्क

तरोताजा होकर पहले से ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं। योग निद्रा मूलतः योग के विभिन्न आसनों के बाद किया जाता है।

योगासनों के वीडियो भी कर चुके हैं ट्वीट

इससे पहले, प्रधानमंत्री ने सोमवार को योगासनों के वीडियो शेयर किए थे। मोदी ने रविवार को अपने 63वें 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था कि वो लॉकडाउन में क्या-क्या कर रहे हैं, उसकी जानकारी देंगे। इसी क्रम में उन्होंने योगासन के वीडियो ट्वीट करते हुए उम्मीद जताई थी कि देशवासी भी योगासन करेंगे।

दूरदर्शन पर रामायण और महाभारत का प्रसारण

उधर, केंद्र सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय ने लॉकडाउन के दौरान दूरदर्शन पर रामायण और महाभारत का प्रसारण करने का फैसला किया। ये दोनों धारावाहिक हर दिन दूरदर्शन पर प्रसारित किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए 24 मार्च को तीन सप्ताह यानी 21 दिन के लिए पूरे देश में लॉकडाउन घोषित कर दिया गया। लॉकडाउन के पहले सप्ताह का आज आखिरी दिन है।

6 अप्रैल को पता चलेगा, कोरोना में कितने कामयाब हम

6 अप्रैल को खत्म होने वाले चालू सप्ताह तक मरीजों की तादाद में वृद्धि पर नजर, बड़ा सवाल, क्या इस सप्ताह 1,500 तक सीमित रहेंगे कोविड-19 के मरीज?

1,000 की संख्या पार करने के बाद मरीजों की तादाद में वृद्धि दर के खास मायने

दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में देश के सामने बड़ी चुनौती पेश कर दी

नई दिल्ली (ए.)। देश में दो महीने पहले कोरोना वायरस से संक्रमण का पहला मामला सामने आया था। अब 1,251 लोगों में कोविड-19 बीमारी की पुष्टि हो चुकी है। भारत उन देशों में शामिल है जहां पिछले हफ्ते मरीजों की तादाद 1,000 पर पहुंच गई। वहीं, यह 1,000 का आंकड़ा पार करने वाले 42 देशों में शुमार हो चुका है। अब सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब देश में मरीजों की तादाद किस रफ्तार से बढ़ती है। तब इस सवाल का भी जवाब मिल जाएगा कि क्या पहले सप्ताह का देशव्यापी लॉकडाउन कितना कारगर साबित हुआ है। आइए देखते हैं कि अलग-अलग देशों में कोविड-19 मरीजों का आंकड़ा 1,000 को छूने के बाद मरीजों की वृद्धि दर क्या रही और भारत की स्थिति अगले सप्ताह के आखिर यानी 6 अप्रैल तक क्या हो सकती है...

देश के सामने परिस्थिति

देश में कोविड-19 के 1,250 से ज्यादा मरीज हो गए हैं। सरकार का कहना है कि कोरोना का संक्रमण अब भी दूसरे चरण में ही है। अभी यह तीसरे चरण के कम्प्यूनिटी लेवल पर नहीं पहुंचा है। हालांकि, इसका पता अगले हफ्ते तक लग जाने की उम्मीद है कि कोरोना के खिलाफ अब तक के प्रयास कितने प्रभावकारी रहे हैं। अगर 1,000 की संख्या छूने के बाद वाले हफ्ते में मरीजों की तादाद में वृद्धि की दर चीन जैसी रही तो देश में अगले हफ्ते तक 9,000 से ज्यादा कोविड-19 मरीज हो सकते हैं। लेकिन, अगर यह वृद्धि दर जापान जैसी रही तो अगले हफ्ते तक मरीजों की संख्या 1,500 के आसपास तक सीमित रहेगी।

इन तीन देशों में 1,000 के बाद तेजी से बढ़े मरीज

चीन, स्पेन और अमेरिका में कोविड-19 मरीजों की तादाद 1,000 के पार करने के बाद



तमिलनाडु की वृद्धि दर सबसे तेज

उधर, केरल और महाराष्ट्र में जिस रफ्तार से मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उससे अगले हफ्ते तक दोनों राज्यों में आंकड़ा 5-5 सौ के पार पहुंचने की आशंका है। वहीं, अगर तमिलनाडु में मौजूदा वृद्धि दर ही जारी रही तो प्रदेश में मरीजों की संख्या अगले हफ्ते तक पांच गुना हो सकती है।

कोरोना के संक्रमण में बड़ी तेजी आई। चीन में अगले एक हफ्ते में मरीजों की तादाद बढ़कर 9,140 तो स्पेन में 7,817 जबकि अमेरिका में 7,348 तक पहुंच गई।

इन तीन देशों में 1,000 के बाद सबसे कम बढ़े मरीज

उधर, स्वीडन, डेनमार्क और जापान में मरीजों की तादाद 1,000 छूने के बाद संक्रमण की वृद्धि दर कम रही। स्वीडन में अगले सप्ताह तक 1,891, डेनमार्क में 1,591 तो जापान में महज 1,524 मामले ही रहे।

भारत में क्या हो सकता है

मौजूदा वृद्धि दर से देश के सबसे प्रभावित राज्यों में मरीजों की संख्या 6 अप्रैल तक दोगुनी हो सकती है। इस अवधि में 10 राज्यों- केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु और पंजाब- में मरीजों की संख्या कुल मिलाकर 2,000 के पार कर

प्रभावित जिलों में कासरगोड़ शीर्ष पर		
जिला	राज्य	मरीजों की संख्या
कासरगोड़	केरल	97
मुंबई	महाराष्ट्र	90
कुन्नूर	केरल	49
बेंगलुरु	कर्नाटक	47
पुणे	महाराष्ट्र	43
हैदराबाद	तेलंगाना	38
नोएडा	उत्तर प्रदेश	38
भिलवाड़ा	राजस्थान	26
सांगली	महाराष्ट्र	25
गुरुग्राम	हरियाणा	24

सकती है।

निजामुद्दीन मरकज ने बढ़ाई चिंता

कोरोना के खिलाफ तमाम प्रयासों के बीच दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज ने बड़ी चुनौती पेश कर दी है। यहां करीब 2,500 लोगों का जमावड़ा हुआ और अब इस जमात में शामिल 10 लोगों में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। नींद उड़ा देने वाली बात यह है कि निजामुद्दीन मरकज के धार्मिक कार्यक्रम 'जोड़' में शामिल होकर हजारों लोग देश के विभिन्न राज्यों में गए। यही कारण है कि दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में कोविड-19 मरीजों की तादाद में अचानक बड़े इजाफे का डर सताने लगा है।

जमात के 300 विदेशी नागरिकों पर लग सकता है प्रतिबंध

नई दिल्ली (ए.)। भारत सरकार उन करीब 300 विदेशी नागरिकों को प्रतिबंधित कर सकती है जो पर्यटक वीजा पर आने के बावजूद दिल्ली के निजामुद्दीन में एक इस्लामी संगठन के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ये विदेशी नागरिक मलेशिया और थाईलैंड सहित 16 देशों से आए थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, ये विदेशी उन 8000 लोगों में शामिल थे जो निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के मरकज में पिछले दिनों मौजूद थे। इनमें से कई लोगों में कोरोना वायरस के संक्रमण के लक्षण भी पाए गए हैं। मार्च के मध्य में तबलीगी जमात के धार्मिक

कार्यक्रम में शामिल हुए करीब 30 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है और पिछले कुछ दिनों में तीन की मौत भी हुई। पुलिस को पिछले दो दिनों में निजामुद्दीन स्थित मरकज से 281 विदेशी नागरिक मिले हैं। इनमें नेपाल के 19, मलेशिया के 10, अफगानिस्तान का एक, म्यांमार के 33, इंडोनेशिया के 72, अल्जीरिया का एक नागरिका, किर्गिजस्तान के 28, बांग्लादेश के 19, थाईलैंड के सात, श्रीलंका के 34 नागरिक शामिल हैं। कुछ अन्य देशों के नागरिक भी हैं। अधिकारी ने कहा कि इनमें से ज्यादातर विदेशी नागरिक पर्यटक वीजा पर भारत आए थे।

लॉकडाउन में उदासी से बचने के लिये नशे को न अपनायें : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली (ए.)। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस के संकट की वजह से लागू 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान लोगों को उदासी और एकाकीपन से निजात पाने के लिये तंबाकू और शराब के सेवन से बचने की सलाह देते हुये कहा है कि धूम्रपान या नशा, रोग प्रतिरोधक क्षमता पर बुरा असर डालेगा। मंत्रालय ने लोगों को परामर्श दिया है कि तंबाकू और अल्कोहल का सेवन न सिर्फ रोग प्रतिरोधक क्षमता पर असर डालेगा बल्कि दिमागी सेहत को भी प्रभावित करेगा। मंत्रालय ने लॉकडाउन के कारण लोगों की दिनचर्या में आये बदलाव का सेहत पर पड़ने वाले संभावित

अहमियत रेखांकित करते हुये कहा कि इसका मकसद संक्रमण को एक व्यक्ति से दूसरे लोगों में फैलने से रोकना और स्वयं एवं दूसरों की संक्रमण से सुरक्षा करना है। इसके तहत सिर्फ और सिर्फ आवश्यक वस्तुओं को खरीदने के लिये ही बाहर जाना अपेक्षित है। साथ ही मंत्रालय ने लोगों से अपने निकटतम स्वास्थ्य केन्द्रों की पर्याप्त जानकारी रखने को जरूरी बताते हुये कहा कि ऐसा होने पर स्वास्थ्य सुविधा का समय पर लाभ उठाना आसान होगा। मंत्रालय ने माना कि लॉकडाउन के दौरान सबसे सामान्य बात जो उभर कर सामने आयी है, वह कोरोना वायरस महामारी के प्रति भय है।

असर को देखते हुये मंगलवार को परामर्श जारी कर जरूरी एहतियात बरतने की सार्वजनिक अपील की। उल्लेखनीय है कि देश में अब तक कोरोना वायरस के संक्रमण के 1250 से अधिक मामले आ चुके हैं और 32 लोगों की मौत हो गयी है। परामर्श में मंत्रालय ने लोगों अपील की है कि वे संक्रमण के संभावित दायरे में आने वालों के साथ शत्रुतापूर्ण रवैया अपनाने के बजाय उन्हें उपचार और एहतियात के उपायों से अवगत करायें जिससे संक्रमण को फैलने से रोका जा सके और रोगी को समय पर उपयुक्त इलाज की सुविधा भी मिल सके। मंत्रालय ने लॉकडाउन की

लापरवाही तबलीगी जमात में शामिल 10 लोगों की देश के अलग-अलग हिस्सों में हुई है मौत

कोरोना से जंग में आफत, पंजाब में एक शख्स की लापरवाही से कई संक्रमण की चपेट में

दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में कई लोगों को कोरोना पीड़ित होने की शंका

पंजाब के बदलेव सिंह के कारण नवांशहर में फैला कोरोना

नई दिल्ली (ए.)। ऐसे समय में जब भारत में कोरोना की जंग निर्णायक मोड़ पर है। एक छोटी चूक देश को गंभीर संकट में डाल सकती है। ऐसे में कुछ लापरवाह लोगों की जमात ने हर किसी को मुश्किल में डाल दिया है। दिल्ली में तबलीगी जमात की धार्मिक सभा से हड़कंप मचा हुआ



है। कुछ दिन पहले पंजाब में विदेश से लौटे ग्रंथी बलदेव सिंह से सैकड़ों खतरे में आ गए हैं। इस जमात में सिंगर कनिका और सड़कों पर बेवजह निकलने वाले वे कई लोग

भी शामिल हैं जिनकों 14 दिन घर में रहने को कहा गया था लेकिन वे खुलेआम सड़कों पर घूमे और लोगों से मिले।

निजामुद्दीन मरकज बन गया कोरोना 'केंद्र'

दिल्ली का निजामुद्दीन इलाका अब कोरोना का केंद्र है। पिछले दिनों हुई तबलीगी जमात की सभा से अब हड़कंप है। कोरोना के खतरे के बावजूद बिना इजाजत 18 मार्च को धार्मिक कार्यक्रम किया गया, जिसमें 300 विदेशियों के साथ 1900 लोग शामिल हुए। नतीजा 10 मौतें और 300 के संक्रमित होने का खतरा है। सबसे गंभीर बात यह है कि यह खतरा दिल्ली तक सीमित नहीं है। तेलंगाना, तमिलनाडु से लेकर

उत्तराखंड के हरिद्वार तक कोरोना का यह खतरा फैल चुका है, क्योंकि ये सभी लोग देश के अलग-अलग हिस्सों से आए और गए हैं।

पंजाब में 'ग्रंथी' की लापरवाही पड़ गई भारी

18 मार्च को ही पंजाब के नवांशहर में ग्रंथी बदलेव सिंह की कोरोना से मौत हुई, लेकिन उनकी लापरवाही से कई लोगों को गंभीर संकट में डाल दिया। छह दिन में 21 लोग कोरोना की चपेट में आ गए। जर्मनी से वाया,इटली

लौटे, बलदेव सिंह को अंतराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरने के बाद घर में अलग-थलग रहे की सलाह मिली थी, लेकिन बावजूद उसके वह लोगों से खुलकर मिले थे। होशियारपुर के रहने वाले 62 वर्षीय हरभजन सिंह की रविवार को मौत हो गई। उनका अमृतसर के सरकारी मेडिकल अस्पताल में इलाज चल रहा था। बलदेव सिंह और हरभजन सिंह ग्रंथी थे। हरभजन सिंह की पत्नी, बेटे और बहू और एक पड़ोसी का होशियारपुर में कोरोना वायरस का इलाज चल रहा है।

नवांशहर से पंजाब में फैला कोरोना!

हरभजन सिंह का मेडिकल इतिहास कहता है कि वह मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित थे। उपायुक्त शिवदुलार छिन्न ने अमृतसर में मीडिया को बताया कि हरभजन सिंह ने बलदेव सिंह के साथ यात्रा की थी। राज्य के कोविड-19 पॉजिटिव मामलों में अब तक लगभग 70 प्रतिशत मामलों के फैलने में नवांशहर जिले के बंगा कस्बे के निवासी बलदेव सिंह की भूमिका होने का पता चला है, जिनका दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी, लेकिन उनकी मौत के बाद उनके कोरोना पॉजिटिव होने का पता चला था। बलदेव सिंह द्वारा 27 लोगों को संक्रमित किए जाने का संदेह है, जिसमें उनके परिवार के 14 सदस्य शामिल हैं। हालांकि, पिछले दो दिनों में पंजाब में कोरोनावायरस का कोई नया मामला सामने नहीं आया है।

चाँचड़ा को जिला बनाने का प्रस्ताव
पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के छोटे भाई
कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सिंह के का
अहम है। लक्ष्मण चाँचड़ा विधानस
सीट से कांग्रेस विधायक हैं। वे ल
समय से चाँचड़ा को जिला बनाने
मांग कर रहे थे। इसे लेकर अनेक व
कमलनाथ के खिलाफ खुलकर मु
हूए थे।

चाय का प्याला दूर से उठाते और बेटे परधर, देवेश और पत्नी बाबू करके रहते हैं। इस को सुधीर के चेहरे पर हल्की मुस्कान बनी रहती है। सुधीर की मुस्कुराहट बताती है कि वह अब परिवार को इस मुश्किल घड़ी कमजोर नहीं करना चाहते। ऊपर, डॉ. सुधीर की पत्नी डॉ. प्र. डेहरिया को खुद जेपी अस्पताल में डीकल ऑफिसर हैं, वह अपने पति का हौसला-अफाकती हैं। डॉक्टर के दोनों बच्चे भी पिता के त्याग और सर्पण बेदेह खड़ा दिखा रहे हैं।

संपादकीय

संदिग्ध संक्रमित खुद सामने आए

भारत में तमाम एहतियाती कदम उठाने के बावजूद कुछ लोगों की आपराधिक लापरवाही के चलते कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या में वृद्धि होती जा रही है। लॉकडाउन का उल्लंघन कर लोग न सिर्फ आवश्यक रूप से घर से बाहर निकल रहे हैं। बल्कि भीड़ बढ़ाने का भी काम कर रहे हैं। देश की राजधानी नई दिल्ली में हालात लगातार बिगड़ते रहे हैं। जहां से हजारों की संख्या में उत्तर प्रदेश और बिहार मुल के दिहाड़ी श्रमिकों ने पैदल मार्च करते हुए सड़कों पर भारी भीड़ दी थी जिसके वजह से बेहद खतरनाक स्थिति निर्मित हो गई थी। दिल्ली के गरीब मजदूरों को प्रतिदिन भोजन की सुविधा सुलभ कराने का दावा करने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार ने इन पलायन कर्ताओं को रोकने की कोई कारगर पहल नहीं की। खबरिया चैनलों पर हर 10 मिनट बाद आकर अपनी उपलब्धियां गिाने वाले अरविंद केजरीवाल ने यह दावा जरूर किया है कि दिल्ली सरकार रोजना चार लोगों को खाना मुहैया करा रही है। यदि उनका यह दावा सही है तो प्रश्न यह उठता है कि इतनी बड़ी संख्या में लोग दिल्ली छोड़ने के लिए बाध्य क्यों हुए। बहरहाल केन्द्र सरकार के सख्त निर्देश के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार की राज्य सरकारों ने उन पलायन करने वाले हजारों लोगों के लिए भोजन और रहने की सुविधा के साथ ही उनके मेडिकल चेकअप की भी व्यवस्था की सुनिश्चित की है जिससे हालात स्थिर नहीं पाए। अब राजधानी नई दिल्ली की जो सख्त मुद्दीन क्षेत्र में स्थित एक मस्जिद में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में डेढ़ हजार से अधिक लोगों के जुटने से और उनके देश भर में फैलने की खबर सामने आई है। इस धार्मिक आयोजन में देश भर से लोग जुटे थे और बगैर प्रशासन कार्यक्रम की सूचना दिए और अपना स्वास्थ्य परिक्षण कराए बिना विभिन्न राज्यों को कुच कर गए। इनमें से कई कोरोना संक्रमित पाए गए है। इस धार्मिक आयोजन में शामिल होकर लौटे हैदराबाद के छह लोगों की मौत होने की भी खबर है। अब पूरे देश में ऐसे लोगों की पहचान की जा रही है जो उस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए थे। लॉकडाउन बावजूद दिल्ली के निजामुद्दीन में इतनी बड़ी संख्या में लोग कैसे शामिल हुए यह समझ से परे है। जाहिर है दिल्ली सरकार और पुलिस प्रशासन ने इस मामले में घोर लापरवाही की है और इसका खामियाजा देश के कई राज्यों को भुगतना पड़ सकता है। बहरहाल ऐसे तमाम लोगों को जो सख्ति संक्रमित रहे हैं उन्हें खुद आगे आकर अपने को स्वास्थ्य परिक्षण के लिए पेश करना चाहिए ताकि उनका स्वास्थ्य परिक्षण कराया जा सके और उनसे देश के अन्य हिस्सों में कोरोना संक्रमण के फैलने का खतरा न हो। इसी तरह अन्य लोगों को भी जो विदेश से आए है या ऐसे किसी सामुहिक कार्यक्रम का हिस्सा बने है उन्हें भी सामने आकर अपना मेडिकल चेकअप कराना चाहिए।

विचार

कोरोना: सरकारी दिग्भ्रम क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के उन लोगों से माफ़ी मांगी है, जिन्हें इस तालाबंदी (लॉकडाउन) के कारण अपने गांवों की तरफ दौड़ना पड़ा है। लेकिन उन्होंने तालाबंदी की मजबूरी पर भी जोर दिया है। मोदी की इस विनम्रता और सहृदयता पर किसी को भी शक नहीं होना चाहिए। लेकिन मेरा निवेदन है सरकारें सारे कदम हड़बड़ी में क्यों उठा रही हैं ? हर कदम उठाने के पहले वे आगा-पीछ क्यों नहीं सोचतीं ? उन्होंने नोबेल्बंदी की भयंकर भूल से भी कोई सबक नहीं सीखा। अब जबकि उ.प्र. के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने अपने लाखों नागरिकों को उनके गांवों तक पहुंचाने के लिए सैकड़ों बसें चला दी हैं तो प्रधानमंत्री ने आदेश जारी कर दिया है कि सारे राज्यों की सीमाएं बंद कर दी जाएं और राज्यों के अंदर भी जिलाबंदी कर दी जाए। योगी की सरकार भाजपा की है, कांग्रेस की नहीं है लेकिन भाजपा की ही केंद्र सरकार ने अब उसके सारे प्रयाशों पर पानी फेर दिया है। मैंने सभी मुख्यमंत्रियों से अनुरोध किया था कि वे कृपा तीन दिनों के लिए इस यात्रा की सुविधा दे दें। कुछ राज्यों ने यह काम शुरू भी कर दिया था लेकिन अब पुलिसवाले उन दिहाड़ी मजदूरों, छात्रों और कर्मचारियों की पिटाई कर रहे हैं और उन्हें अस्पताल में लौटने के लिए बाध्य कर रहे हैं। गांव की तरफ पैदल लौटनेवाले मग्न के एक नौजवान की मौत की खबर ने बड़े अपशकुन की शुरुआत कर दी है। कई शहरों में इस 'लॉकडाउन' की खुले-आम धाजियां उड़ाई जा रही हैं। देश के इन करोड़ों प्रवासी मजदूरों को अब दोहरे अत्याचार का शिकार होना पड़ रहा है। उनके खाने और रहने के इंतजाम में बड़े शहरों की राज्य सरकारों की कमर टूट जाएगी। यह सरकारी दिग्भ्रम क्यों है ? कोरोना से ज्यादा लोग इस दिग्भ्रम के कारण मर सकते हैं। इसमें शक नहीं कि केंद्र और सभी राज्यों की सरकारें इस कोरोना महामारी से लड़ने के लिए जी-तोड़ कोशिश कर रही हैं लेकिन मरे उनसे कुछ अनुरोध है। पहला, कोरोना का सस्ता परीक्षण-उपकरण (टेस्ट किट) एक महिला वैज्ञानिक ने खोज निकाला है। उसकी कीमत सिर्फ 12 रु. है। उसे लाखों में बंटवाएं। दूसरा, मुंह की लाखों पट्टियां तैयार करवाकर बंटवाई जाएं। तीसरा, कोरोना हमले से ठीक हुए मरीजों के 'प्लाज्मा' के इस्तेमाल से बस सौजी जाए। चौथा, प्रधानमंत्री ने वैद्यों से जो बात की है, उसके निकर्णों से सारे देश को लाभ पहुंचाया जाए। पांचवां, गैर-सरकारी अस्पतालों को कोरोना-मरीजों के मुफ्त इलाज के आदेश दिए जाएं।

पाठकों की बात

हादसों से हर कदम अपनी गुजरती

हादसों से हर कदम अपनी गुजरती जिंदगी मौत के डर से हजारों बार मरती जिंदगी क्या हुआ अब क्यूं हो रहा है कुछ नहीं आये समझ हाल ये है आहतों से अब तो डरती जिंदगी।
लक्ष्मी माहोर

जीवन में क्या कम

था रोना चीन से

जीवन में क्या कम था रोना चीन से चलकर आई कोरोना पहले भी आराम नहीं था

अब तो अलग बिछे है बिछौना घर से कोई काम करे अब कईयों का तो काम ही सोना हाट-बाजार सभी तो बंद है फिर भी मंहगा होगया सोनाबाहर जाते अब डरता हूँ घरवालों को पड़े ना रोना ईश्वर सबकी रक्षा करता इस्यों तो बस एक खिलौना।
जे डी कुदाल

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास प़ाती

महापलायन जा रहे हो शहर

महापलायन जा रहे हो शहर, छोड़ कर तुम कहाँ जा रहे धूप में वोड़ कर तुम कहाँ ये शहर है तुम्हारा, सुनो तो सही चल दिये साथ को, छोड़कर तुम कहाँ बन्द है रास्ते और सारी गली आ गये अजनबी मोड़ पर तु कहीं रह में जब रुके, आशिया थी जमी सो गये आसमां, ओढ़ कर तुम कहाँ ना किसी की सुनी,था पुकारा बहुत खो गये,जा रहा, बोल कर तुम कहाँ हम खड़े रह गये,बिन मुड़े चल दिये प्यार की बेड़ियां, तोड़ कर तुम कहाँ दर्द तो छीलने से, बढ़ेगा बहुत जा रहे घाव को खोल कर तुम कहाँ।
शालिनी शर्मा

लॉक डाउन करना एक आवश्यकता

लॉक डाउन करना एक आवश्यकता बन गई थी हमारे देशवासियों को बचाने के लिये किन्तु परिणाम इतना भयंकर होगा अनुमान नहीं था... कोरोना से कैसे बचा सकेगा.....? यदि सोशल डिस्टेंस नहीं हो पायेगा यदि इनमें से कोई एक पॉसिटिव होगा तो क्या हाल होगा ...कल्पना करने मात्र से रूह कांपने लगती है सोचनीय ...सोचनीय...अति सोचनीय है..।
मंजू चम्याल

अगर इस जंग को जीतना है तो

अगर इस जंग को जीतना है तो नकरात्मक लोगों को तत्काल अंगफेंलो कर दो। यह लोग सकरात्मक खबरों पर आँखें मूंद लेते हैं लेकिन जब लगता है इनकी खुनी श्रुब्ध्या शांत हो सकती है तो अपने खुनी पंजों से जहर उगलने लगते हैं अपने शब्दों में। यह कोरोना वायरस से ज्यादा खतरनाक है इनके चेहरे पहचान लो।
दिव्या राकेश शर्मा

उपेन्द्र प्रसाद

झूठ जितना बड़ा था, उतने बड़े पैमाने पर ही इसे फैलाया गया। भाजपा के आईटी सेल वालों ने इस झूठ को 86 हजार बार ट्विटर पर ट्विट और रीट्विट किया। फेसबुक पर भी इसे बायरल किया गया और मेनस्ट्रीम टीवी मीडिया की सलाहता से भी इस झूठ को फैलाया गया। आनंद विहार बस अड्डे पर दिल्ली ही नहीं, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के एनसीआर के लोग भी ग़ारी संख्या में उपस्थित थे, लेकिन यह बताया गया कि वे सारे के सारे लोग दिल्ली के ही है, जो केजरीवाल सरकार द्वारा बिजली और पानी कनेक्शन काटने के कारण दिल्ली छोड़कर भागने को मजबूर हो रहे हैं। जबकि एक सच्चाई यह भी है कि दिल्ली में बिजली कनेक्शन देने या काटने का काम दिल्ली सरकार का है ही नहीं, बल्कि एक निजी कंपनी बीएसइएस का है, जिसके मालिक अनिल अंबानी है।

कोराना संकट का मिलजुलकर हो सकता है सामना

भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व कोरोना वायरस के कारण अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है। इस तरह का संकट 1918-19 में भी एक एनफ्लूएंजा के कारण हुआ था और बीमारी का नाम स्पैनिश फ्लू कहा गया था। उस समय आज की तरह मेडिकल सुविधाएं नहीं थी, लेकिन आज की तरह उस समय भूमंडलीकृत दुनिया भी नहीं थी। दोनों के बीच तुलना न भी करें, तो यह तो मानना ही पड़ेगा कोविड 19 नाम वाले इस वायरस के कारण आज सबकुछ तहस नहस हो गया है। इससे मरने वालों की संख्या पहले की महामारियों से भले कम दिखाई दे रही है, लेकिन इसका अगर इस बीमारी से मारे गए लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी विश्व अर्थव्यस्था इसके अरसर से चरमरा रही है। यह संकट जितना लंबा खींचेगा विश्व अर्थव्यवस्था और अलग अलग देशों की अर्थव्यवस्थाएं उतना ही ज्यादा ध्वस्त होती दिखेंगी और मानव जाति के सामने असली समस्या उसके ध्वस्त होने के बाद ही प्रकट होगी।

जहिर है, संकट अभूतपूर्व है, और इस संकट के सफलतापूर्वक सामना करने का एक ही मंत्र है कि हम मिलजुलकर काम करें। एक देश के रूप में भारत को भी मिलजुलकर काम करना है, लेकिन संकट की इस घड़ी में भारतीय जनता पार्टी जिस तरह की गंदी राजनीति कर रही है, वह निंदनीय ही नहीं, बल्कि बहुत खतरनाक भी है। इसे भी भाजपा एक राजनैतिक डबेंट की तरह इस्तेमाल करना चाह रही है और अपनी विरोधी पार्टियों को खलनायक के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है, जबकि भारत में कोरोना का यह संकट गंभीर से गंभीरतर भाजपा की मोदी सरकार के समय पर नहीं लिए गए फैसले के कारण हुआ और देश की यह संपूर्ण बंदी भी उसकी शुरुआती सुस्त रवैया का नतीजा ही है।

देश में लॉकडाउन चल रहा है, जिसके तहत लोगों को 14 अप्रैल तक अपने अपने

घरों में बंद रहने को कहा गया है। इसका पालन भी हो रहा है और अति आवश्यक जीवन रक्षक कार्यों के कारण ही लोग आमतौर पर अपने घरों से बाहर निकल रहे हैं। लेकिन इसके साथ साथ अपने अपने घरों और गांवों से विस्थापित लोगों का दर्द भी सड़कों पर देखा जा सकता है, जिनके

मजदूरी नहीं मिली, तो किराए के उन मकानों में ताला लगाना तो दूर, उसमें वे रहने की पात्रता भी नहीं रखते है।

उनके लिए किसी प्रकार के इंतजाम नहीं होने के कारण वे पैदल ही अपने घरों और गांवों की ओर चल दिए। दृश्य बहुत ही हृदय विदारक था। ज्यादातर लोग बिहार



और उत्तर प्रदेश के ही थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दया आ गई और उन्होंने घोषणा कर दी कि 1000 बसों का उन्होंने इंतजाम किया है, जो दिल्ली के बोर्डर से न केवल यूपी बल्कि बिहार के लोगों को भी उनके गंतव्य तक पहुंचा देगा। योगी को उस घोषणा के बाद अनेक मजदूर जो उस समय तक अपने घरों से नहीं निकले थे, निकल पड़े और हजारों हजार की संख्या में यूपी दिल्ली के बोर्डर पर स्थित आनंद विहार बस अड्डे तक पहुंचने लगे। मजदूरों को आनंद बिहार बस अड्डे तक की यात्रा को सुगम बनाने के लिए दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने उन्हें डीटीसी की बसें की उपलब्ध करवानी शुरू कर दी, जो लॉकडाउन के कारण ठहरी हुई थी।

अब आनंद विहार बस अड्डे पर योगी की बसें नहीं आ रही थीं और आ रही थीं रही थीं, तो बहुत कम संख्या में। रात तक भीड़ बढ़ती गई और एक अनुमान के अनुसार

पौष्टिक आहार के बिना हम कोरोना से जंग जीत नहीं सकते

दुनिया के कई हिस्सों की तरह हमारा देश भी तीसरे चरण में कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए जूझ रहा है। यह एक अनिश्चित स्थिति है जिसमें प्रत्येक कदम सावधानी के साथ बहुत सावधानी बरतने के लिए होता है। मेडिकल, पैरामेडिकल स्टफ और सफ़री कर्मचारी अधिक जोरिफ़्त में हैं। कई डॉक्टरों और नर्सों ने पहले ही चीन, इटली, ईरान और स्पेन में अपनी जान गंवा दी है, जब उन्होंने बीमारों की देखभाल करते हुए संक्रमण को पकड़ लिया। भले ही फ्लू एक आम बीमारी है लेकिन कभी-कभी यह गंभीर रूप ले सकती है। 1918-1919 के इन्फ्लूएंजा महामारी को दुनिया ने देखा है, जिसे 'स्पैनिश फ्लू' के रूप में जाना जाता है, जिसमें 20 से 40 मिलियन लोग मारे गए थे, जो कि प्रथम विश्व युद्ध की तुलना में अधिक संख्या है। ब्लैक डेथ ब्रूबॉनिक प्लेग के चार वर्षों की तुलना में एक वर्ष में अधिक लोगों की मृत्यु हो गई। इसे विश्व इतिहास में सबसे विनाशकारी महामारी के रूप में उद्धृत किया गया है। इसमें 17 से 18 मिलियन भारतीय मारे गए। हमारी 6 पीसदी आबादी तब मारी गई थी। माना जाता है कि 1918 की महामारी दुनिया की एक तिहाई आबादी को संक्रमित कर चुकी थी।

लेकिन वो अलग समय थे। चिकित्सा विज्ञान इस बीमारी से लड़ने के लिए उतना उन्नत नहीं था जितना कि आज है। इसकी तुलना में आजकल हमारे पास बहुत अधिक उन्नत चिकित्सा व्यवस्था है। हमारे पास बीमारियों के प्रसार और उनके नियंत्रण के उपायों के बारे में अधिक जानकारी है। हालांकि, डर यह है कि गतिशीलता में बहुत अधिक वृद्धि हुई है जो संक्रमण के तेजी से प्रसार का सारुदाय हो सकता है। भारत में अब तक हमें कोविड -19 के सामुदायिक प्रसार से बचाया गया है। लेकिन आने वाले दिनों में बहुत अनिश्चितता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने चिकित्सा

वैज्ञानिकों की सलाह पर घरबंदी सहित कुछ उपाय किए हैं। सोशल डिस्टेंसिंग, (इसे फिजिकल डिस्टेंसिंग या मेडिकल डिस्टेंसिंग कहते हैं), प्रसार को रोकने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। भारत के लिए जॉन्स हॉपकिन्स कोविड-19 मॉडलिंग बताती है कि पे सामाजिक गड़बड़ी एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि वायरस छोटी बूंद के संक्रमण से फैलता है। लेकिन एक राष्ट्रीय लॉकडाउन उत्पादक नहीं है और इससे



गंभीर आर्थिक क्षति हो सकती है, भूखमरी बढ़ सकती है। देश की 50 पीसदी से अधिक आबादी वाले गरीब लोग, इस स्थिति को झेलने में सक्षम नहीं हो सकते हैं यदि जीवन की निर्वाह के लिए उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्य द्वारा कुछ प्रभावी उपाय नहीं किए जाते हैं। सरकार बहुत देर से जागी और फिर अचानक घरबंदी और कर्फ्यू की घोषणा कर दी। पर्याप्त चेतावनी और तैयारी के बिना इस निर्णय से विभिन्न राज्यों में प्रवासी श्रमिकों के बीच बहुत परेशानी हुई है। ये लोग अब भुखमरी का सामना कर रहे हैं और हम उम्मीद करते हैं कि उन्हें कोविड -19 का सामना करना पड़ेगा। जब 30 जनवरी को पहला मामला दर्ज किया

गया, तो राज्य विधानसभाओं और संसद में कई जिम्मेदार पदों पर कोरोना से डराए जाने की स्थिति में सरकार ख़िव प्रबंधन के लिए मिथक फैलाने लगी। वैज्ञानिक दिशानिर्देशों को भी पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया, जब कुछ समूहों को रैलियों और एक दूसरे को पीटते हुए थालियों के साथ थिरकते हुए देखा गया था। गलत सूचना दी गई थी कि ध्वनि वायरस को मार देगी। मध्यप्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री को सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में चिकित्सा सलाह से पूरी तरह से वांचित रखने की शपथ लेते हुए देखना और भी ज्यादा खतरनाक था।

सरकारी की ओर से 50 लाख रुपये के लिए डॉक्टरों को बीमा कवरेज की घोषणा करने के लिए अच्छा था, नर्सों के लिए रु .30 लाख और स्वास्थ्य क्षेत्र के अन्य लोगों के लिए 20 लाख रुपये थे, लेकिन यह पैकेज एक बार फिर स्वास्थ्य पेशेवरों की अपातकालीन जरूरतों की अनदेखी करता है। चुनौती का सामना करने के लिए पैरामेडिकल और स्वास्थ्य प्रणाली के अन्य कार्यकर्ताओं की भी जरूरत पड़ती है। पीपीई, मास्क, अस्पतालों में बढ़ते बेड और स्कूल बसनों और स्टैंडियमों में नई सुविधाओं के निर्माण के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में तत्काल निवेश की आवश्यकता है। अनुमान के अनुसार हमारे देश में लगभग 40,000 वेंटिलेटर हैं। सरकार ने 40000 और खरीदने का फैसला किया है। लेकिन इस वैश्विक संकट में, विदेश से इन्हें प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है।

हमें अपनी आबादी के पोषण स्तर में सुधार के लिए तत्काल कदमों की आवश्यकता है। जन धन खातों वाले 500 प्रति माह, जिनमें से कई पहले ही बंद हो चुके हैं, बहुत अपर्याप्त है। सरकार को 2,100 कैलोरी और आवश्यक मात्रा में खनिज और विटामिन प्रदान करने में सक्षम सभी नागरिकों के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करना चाहिए।**(संवाद)**

QUIZ TIME

1) जुलाई 1946 में स्थापित सिव्धान सभा के सदस्यों में किन्नलखिपित में से कौन शामिल नहीं था?

(क) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ख) केएम.मुंशी (ग) महात्मा गांधी (घ) अबुल कलाम आजाद

2) एक तरीका है जिसे अपने ब्राउजर में सेव करने पर अपनी मनपसंद वेबसाइट तक तुरंत पहुँचा जा सकता है। (बुकमार्क / ब्लॉग)

3) किस नृत्य शैली में कथा/ भाव हमेशा महामासत

कविप्रीति (५) गणना (४) कविप्रीति (३) उत्तरमाता- (१) मतिप्रीति (२) कविप्रीति (३)

आज का इतिहास

नई दिल्ली । भारतीय एवं विश्व इतिहास में एक अप्रैल की प्रमुख घटनाएँ इस प्रकार हैं...1582- फ्रांस में मूर्ख दिवस मनाने की शुरुआत हुई। 1793- जापान में उनसेन ज्वालामुखी फटने से करीब 53,000 लोगों की मौत। 1839- कोलकाता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल 20 बिस्तारों के साथ शुरू किया गया। 1889- हिंदू का दैनिक अखबार का प्रकाशन शुरू। 20 सितंबर 1888 से प्रकाशित इस अखबार का साप्ताहिक विशेषांक प्रकाशित हो रहा था। 1912- दिल्ली को औपचारिक रुप से भारत की राजधानी बनाया गया। 1930- विवाह के लिए लड़कियों की न्यूनतम आयु 14 वर्ष और लड़कों की 18 वर्ष निर्धारित की गई। 1935- भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना।

यह 30 हजार से भी अधिक थी। जाहिर है यह लॉकडाउन का ब्रेकडाउन था। यह मोदी और योगी सरकार की विफलता का नतीजा था। अपनी सरकारों की विफलता को छुपाने के लिए बीजेपी ने अपने मीडिया सेल और आईटी सेल की सहायता से झूठ फैलाना शुरू कर दिया कि उन मजदूरों के पानी और बिजली के कनेक्शन केजरीवाल सरकार ने काट दिए, इसलिए वे दिल्ली छोड़कर भागने को वे मजबूर हुए। इससे बड़ा झूठ और कुछ हो ही नहीं सकता है, क्योंकि उन मजदूरों के अपने मकान ही नहीं हैं, इसलिए उनके नाम से न तो बिजली के कनेक्शन हैं और न ही पानी के। जिन मकानों में वे रहते हैं, उनमें कनेक्शन मकान मालिकों के नाम से है और कोई मकान मालिक तो दिल्ली से भागा नहीं।

झूठ जितना बड़ा था, उतने बड़े पैमाने पर ही इसे फैलाया गया। भाजपा के आईटी सेल वालों ने इस झूठ को 86 हजार बार ट्विटर पर ट्विट और रीट्विट किया। फेसबुक पर भी इसे वायरल किया गया और मेनस्ट्रीम टीवी मीडिया की सहायता से भी इस झूठ को फैलाया गया। आनंद विहार बस अड्डे पर दिल्ली ही नहीं, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के एनसीआर के लोग भी भारी संख्या में उपस्थित थे, लेकिन यह बताया गया कि वे सारे के सारे लोग दिल्ली के ही हैं, जो केजरीवाल सरकार द्वारा बिजली और पानी कनेक्शन काटने के कारण दिल्ली छोड़कर भागने को मजबूर हो रहे हैं। जबकि एक सच्चाई यह भी है कि दिल्ली में बिजली का कनेक्शन देने या काटने का काम दिल्ली सरकार का है ही नहीं, बल्कि एक निजी कंपनी बीएसइएस का है, जिसके मालिक अनिल अंबानी है। इस तरह का झूठ कोरोना से युद्ध को कमजोर कर सकता है। मोदीजी कहते रहे हैं कि उनके लिए नेशन फस्ट है, लेकिन यदि सच है तो उनकी पार्टी इस तरह की गंदी राजनीति क्यों कर रही है? **(संवाद)**

नई दिल्ली | भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) ने टोक्यो ओलम्पिक को 2021 में 23 जुलाई से कराने की नई तारीखों का स्वागत किया है। आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने सोमवार को कहा, आईओए अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ टोक्यो ओलम्पिक 2020 को 2021 में 23 जुलाई से आठ अगस्त तक कराये जाने की नयी तारीखों का स्वागत करता है।



रामनगर में राशन लेने दुकान में लगी लंबी कतारें।



सब्जी बाजार में सब्जी के लिए लगी लाखों नगर ईदगाह भाटा मैदान

प्राप्त सहयोग राशि को होल्डिंग कंपनी द्वारा एकजोड़ करके मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा किया जाएगा। एजीएम मिश्र ने बताया कि पावर कंपनी की पिछे लगे लगभग साढ़े 16000 अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष को दे जाने वाली राशि तीन करोड़ के करीब होगी। पावर कंपनी के अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से दी जाने वाली सहायता राशि को आयकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आयकर में छूट संबंधी कार्यवाही आगामी वित्तीय वर्ष की आयकर की गणना के समय की जायेगी। उन्होंने बताया कि जनहित में विद्युत की वित्तिव आपूर्ति को सतत बनाए रखने के लिए सेवारत हैं। इन्हें संपूर्ण सुरक्षा के साथ काम करते की नसीहत देते हुए पावर कंपनीज प्रबंधन की ओर से नोबेल कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किए जा रहे उपाय और निर्देशों का अनुपालन अनिवार्य करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

राजातालाब में मोबाइल मिल्क पार्लर से सामान लिया जा सकता है। रविवार को सुबह 10.30 से 11.15 तक पावर हाउस भिलाई, सुबह 11.30 से 12.15 तक जेठरू नगर कॉलोनी दुर्ग, दोपहर 12.30 से 1.15 तक मालवीय नगर चैक दुर्ग, दोपहर 2.15 तक महाराजा चैक दुर्ग और दोपहर 2.30 से 3.30 तक इंद्रा मार्ट दुर्ग में मोबाइल मिल्क पार्लर की सुविधा मिलेगी।

